

प्रेषक,

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग—1

देहरादून: दिनांक 12 नवम्बर, 2011

विषय:— उत्तराखण्ड के स्थायी निवासी अभिभावकों को उनके बच्चों द्वारा चिकित्सा शिक्षा प्राप्त किये जाने हेतु लिये गये शिक्षा ऋण में बैंक द्वारा निर्धारित ब्याज दर में कुल 10 लाख तक के ऋण हेतु 5 प्रतिशत ब्याज उपादान अधिकतम 5 वर्ष के लिए राज्य सरकार द्वारा दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा राज्य स्थापना दिवस दिनांक 9 नवम्बर 2011 को की गई घोषणा के क्रम में शासन द्वारा सम्यक विचारोपरान्त ऐसे अभिभावक जो प्रदेश के स्थायी निवासी हैं तथा जिनकी वार्षिक आय रु0 3,00,000 (रु0 तीन लाख मात्र) से अधिक नहीं है, उनके बच्चों को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने हेतु लिये गये शिक्षा ऋण में बैंक द्वारा निर्धारित ब्याज दर में कुल रु0 10,00,000 (रु0 दस लाख मात्र) तक के ऋण हेतु 5 प्रतिशत ब्याज उपादान अधिकतम 5 वर्ष के लिए राज्य सरकार द्वारा दिये जाने की निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृति प्रदान की जाती है—

- 1— प्रश्नगत योजना प्रदेश के अतिरिक्त देश एवं विदेश में अध्ययनरत छात्र / छात्राओं पर भी लागू होगी।
- 2— प्रश्नगत योजना आगामी वित्तीय वर्ष 2012-13 से लागू होगी।
- 3— प्रश्नगत योजनान्तर्गत ऋण की धनराशि रु0 10.00 लाख से अधिक होने पर भी छूट रु0 10.00 लाख की सीमा तक ही अनुमन्य होगी।
- 4— प्रश्नगत योजना दिनांक 09.11.2011 के बाद स्वीकृत किये गये शिक्षा ऋण पर लागू होगी।

भवदीय,

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

संख्या— 1392 (1)/XXVIII(1)/2011-97(मा0मु0 घोषणा)/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

- 1 मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 2 प्रमुख सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड शासन।
- 3 प्रभारी सचिव, गोपन (मंत्रिपरिषद्), उत्तराखण्ड शासन।

14/11